**भारती कॉलेज,दिल्ली विश्वविद्यालय**

**अकादमिक सत्र : 2020-21**

**पाठ्यक्रम रूपरेखा : (जनवरी –अप्रैल** 2021**)**

**पाठ्यक्रम :** बी. ए. हिंदी (ऑनर्स)

**सत्र/सेमेस्टर :** 4

**पेपर :** हिंदी कविता : छायावाद के बाद

**शिक्षक :** डॉ. नीरज

**कक्षा ( प्रति सप्ताह ) :** 5

**पाठ्यक्रम**

इकाई 1 : क):अजेय : यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की,साम्रागी का नैवेद्य दान,सांप

ख)नागार्जुन : गुलाबी चूड़ियां,सिंदूर तिलकित भाल, उनको प्रणाम

इकाई 2:

क) रघुवीर सहाय : स्वाधीन व्यक्ति,अधिनायक,रामदास,

ख ) दुष्यंत कुमार –कहाँ तो तय था,हो गई है पीर पर्वत सी,वो आदमी नहीं है,बाढ़ की संभावनाएं

इकाई 3 :

क) केदारनाथ सिंह : सुई और तागे के बीच में,पानी की प्रार्थना, ,बर्लिन की टूटी दीवार को देखकर

ख) धूमिल: मोचीराम, रोटी और संसद

इकाई 4:

1. भवानी प्रसाद मिश्र –गीत फरोश , झुर्रियों से भरता हुआ
2. राजेश जोशी: बच्चे काम पर जा रहे हैं, आदतों के बारे में,
3. ) अरुण कमल : नए इलाके में, धार,

**पाठ्यक्रम विवरण**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य आधुनिक हिंदी कविता का स्वर्ण युग माने जाने वाले छायावाद के बाद हिंदी कविता के विकास को सशक्त ढंग से प्रस्तुत करना है | आज़ादी के बाद की हिंदी कविता किस तरह कल्पना और रोमांटिकता से निकल कर अनुभव से निर्मित होती है और उसमे काव्य विषयों की बहुलता के साथ साथ गतिशील यथार्थ की वैचारिकता का कैसे समावेश होता है यह समझने की चीज है| फिर लोकतंत्र के निर्माण में कविता अपनी भूमिका किस तरह अदा करती है इसका भी विवेचन विश्लेषण इस पेपर के अंतर्गत किया जाएगा| हमें यह भी ध्यान देना होगा की कविता अपने युग बोध को विषय वस्तु और भाषा के स्तर पर सही दिशा देती हुई दिखती है या नहीं|

**शिक्षण समय :** 16 सप्ताह (लगभग )

**कक्षाएं :**विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार सप्ताह में 5 दिन कॉलेज के समय सारणी के अनुसार कक्षाएं आयोजित की जाएगी | विद्यार्थियों को विषय से सम्बंधित मूल और प्रमाणिक सहायक ग्रंथों की जानकारी देने के साथ-साथ विषय से सम्बंधित भारतीय चिंतन की रचनाओं को भी समझने की लिए मार्गदर्शन दिया जाएगा |

**इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरण :**

|  |  |
| --- | --- |
| **सप्ताह** | **विषय** |
| सप्ताह 1 | छायावादोत्तर कविता : प्रेरणा और पृष्ठभूमि |
| सप्ताह 2 | अजेय और उनकी कविता : कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला, ,साम्रागी का नैवेद्य दान,सांप |
| सप्ताह 3 | अजेय और उनकी कविता : कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला, ,साम्रागी का नैवेद्य दान,सांप |
| सप्ताह 4 | 1. नागार्जुन और उनकी कविता : गुलाबी चूड़ियां,सिंदूर तिलकित भाल, उनको प्रणाम |
| सप्ताह 5 | नागार्जुन और उनकी कविता गुलाबी चूड़ियां,सिंदूर तिलकित भाल, उनको प्रणाम |
| सप्ताह 6 | रघुवीर सहाय और उनकी कविता : स्वाधीन व्यक्ति,अधिनायक,रामदास |
| सप्ताह 7 | रघुवीर सहाय और उनकी कविता : स्वाधीन व्यक्ति,अधिनायक,रामदास, |
| सप्ताह 8 | दुष्यंत कुमार –कहाँ तो तय था,हो गई है पीर पर्वत सी,वो आदमी नहीं है,बाढ़ की संभावनाएं |
| सप्ताह 9 | केदारनाथ सिंह और उनकी कविता : सुई और तागे के बीच में,पानी की प्रार्थना,बर्लिन की टूटी दीवार को देखकर |
| सप्ताह 10 | केदारनाथ सिंह और उनकी कविता : सुई और तागे के बीच में,पानी की प्रार्थना,बर्लिन की टूटी दीवार को देखकर |
| सप्ताह 11 | धूमिल: मोचीराम, रोटी और संसद |
| सप्ताह 12 | 1. भवानी प्रसाद मिश्र –गीत फरोश , झुर्रियों से भरता हुआ |
| सप्ताह 13 | राजेश जोशी: बच्चे काम पर जा रहे हैं, ,आदतों के बारे में |
| सप्ताह 14 | अरुण कमल : नए इलाके में, धार, |
| सप्ताह 15 | पुनरावृति |
| सप्ताह 16 | छात्रों द्वारा जमा किए गए असाइंमेंट के सकारात्मक और नकारात्मक पक्षों पर चर्चा तथा मुख्य परीक्षा के लिए उपयोगी सुझावों एवं मार्गदर्शन |

सम्बंधित पुस्तकें :

* कविता के नए प्रतिमान: नामवर सिंह
* नई कविता और अस्तित्ववाद: रामविलास शर्मा
* आधुनिक हिंदी कविता: विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
* समकालीन कविता का यथार्थ:परमानंद श्रीवास्तव
* समकालीन हिंदी कविता:रविन्द्र भ्रमर
* उत्तरछायावादी काव्य भाषा:हरिमोहन

नोट –1- प्रत्येक यूनिट में से एक असाइनमेंट प्रत्येक छात्र से लिया जाएगा और उस पर चर्चा के बाद दो असाइनमेंट का नंबर आंतरिक मूल्याङ्कन के लिये लगाया जाएगा |